



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

- विषय: (i) आज, 27 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ छिटपुट क्षेत्रों में लू चलने की संभावना है, जो बाद में कम हो जाएगी।
- (ii) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है।
- (iii) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी भारत में भी कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- (iv) अगले एक सप्ताह के दौरान पूर्वी भारत में, 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में, और 27 अप्रैल से 1 मई के दौरान मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

आज, 27 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ मेघालय में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ में छिटपुट स्थानों पर 50-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, कोंकण और गोवा, गुजरात क्षेत्र में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों और हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के छिटपुट इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के छिटपुट इलाकों में रातें गर्म रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम/दिन का तापमान 40-46°C के बीच रहा, सिवाय पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर बिहार और पूर्वोत्तर भारत के, जहाँ यह 36°C से कम रहा। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 46.9°C अकोला (विदर्भ) में दर्ज किया गया।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर अधिकतम/दिन का तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (> 5.1°C) रहा; पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भी ऐसा ही रहा; झारखंड, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पश्चिमी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर; विदर्भ के कुछ स्थानों पर; ओडिशा, बिहार, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा,

छत्तीसगढ़, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, और केरल और माहे के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भी ऐसा ही रहा; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा; अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भी ऐसा ही रहा; और नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहा; असम और मेघालय, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भी ऐसा ही रहा।

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, असम और मेघालय, मणिपुर, मिज़ोरम, और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में न्यूनतम/रात का तापमान $13-19^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के बाकी हिस्सों में यह $20-26^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। आज, भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.4°C आदमपुर (पंजाब) में दर्ज किया गया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दक्षिणी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में न्यूनतम/रात का तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात राज्य, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और माहे में यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; त्रिपुरा, मिज़ोरम और मेघालय में यह सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा, और देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ़ (गर्त) लगभग 88°E देशांतर के साथ-साथ 22°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, और इस चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश तक एक पूर्व-पश्चिम ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में असम के मध्य भागों और उसके आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में मध्य प्रदेश के मध्य भागों से लेकर कोमोरिन क्षेत्र तक एक ट्रफ़/पवन विच्छिन्नता फैली हुई है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में आंतरिक महाराष्ट्र और उसके आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक प्रति-चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ एक पश्चिमी विक्षोभ, जो पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ़ के रूप में दिखाई देता है, लगभग 54°E देशांतर के साथ-साथ 32°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 27-29 अप्रैल के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 28-30 अप्रैल और 03 मई को; और उत्तराखंड में 28 अप्रैल-03 मई के दौरान, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति $40-50$ kmph तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 27-30 अप्रैल और 02 व 03 मई को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल-02 मई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल-01 मई को; पश्चिमी राजस्थान में 27-29 अप्रैल को; और पूर्वी राजस्थान में 27 अप्रैल-03 मई के दौरान, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति $30-40$ kmph तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 28 और 29 अप्रैल को तेज़ तूफ़ान (हवा की गति $50-60$ kmph, झोंकों में 70 kmph तक) आने की संभावना है।

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 28 अप्रैल को, और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 28 और 29 अप्रैल को ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जो काफी बड़े से लेकर व्यापक क्षेत्र तक फैल सकती है।
- ❖ 27 अप्रैल को असम और मेघालय में, तथा 27 और 28 अप्रैल को नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में गरज के साथ तेज़ हवाओं (जिनकी गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है और झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है) की संभावना है।
- ❖ 27 अप्रैल से 02 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में; तथा 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है; इसके साथ ही 30 अप्रैल से 02 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, और 27 से 30 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 kmph तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; साथ ही 27 अप्रैल को और 29 अप्रैल से 01 मई के दौरान विदर्भ में बिजली गिरने की भी संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल से 01 मई के दौरान छत्तीसगढ़ में गरज के साथ तेज़ हवाओं (गति 50-60 kmph तक, झोंकों में 70 kmph तक) चलने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 30-50 kmph तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जो काफी बड़े इलाके से लेकर व्यापक क्षेत्र तक फैल सकती है।
- ❖ 27 अप्रैल से 1 मई के दौरान बिहार और ओडिशा में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 30-50 kmph तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जो कुछ जगहों से लेकर छिटपुट इलाकों तक सीमित रह सकती है।
- ❖ 27 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 27-30 अप्रैल के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 28 अप्रैल को बिहार में; और 27-30 अप्रैल के दौरान झारखंड में गरज के साथ तेज़ हवाओं (हवा की गति 50-60 kmph तक, झोंकों में 70 kmph तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 अप्रैल को बिहार में; 29 और 30 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; और 27 अप्रैल से 2 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 27 और 30 अप्रैल को झारखंड में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 27 और 28 अप्रैल को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान केरल और माहे, तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28 अप्रैल से 01 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 28 अप्रैल से 01 मई के दौरान तमिलनाडु और रायलसीमा में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 30 अप्रैल को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 30 अप्रैल से 02 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 29 अप्रैल से 01 मई के दौरान केरल और माहे में भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 28 से 30 अप्रैल के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; और 29 और 30 अप्रैल को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 27 अप्रैल (24 घंटे) तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 28 अप्रैल से 01 मई के दौरान धीरे-धीरे 3-5°C की गिरावट आएगी और 02 और 03 मई को कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ मध्य भारत में 28 तारीख तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 29 अप्रैल से 01 मई के दौरान धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आएगी और 02 और 03 मई को धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 30 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3-5°C की गिरावट होने की संभावना है और 1 से 3 मई के दौरान कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 29 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद 30 अप्रैल से 03 मई के दौरान धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आएगी।
- ❖ गुजरात राज्य में 28 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 29 अप्रैल से 01 मई के दौरान धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आएगी और 02 और 03 मई को धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ 27 और 28 अप्रैल को विदर्भ के कुछ स्थानों पर लू चलने की बहुत अधिक संभावना है; 27 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में; तथा 27 और 28 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान, ओडिशा, गुजरात राज्य, रायलसीमा, छत्तीसगढ़ और उत्तरी तेलंगाना में भी लू चलने की संभावना है।
- ❖ 27 और 28 अप्रैल को कोंकण और केरल के कुछ इलाकों में; 27 से 29 अप्रैल के दौरान गुजरात राज्य और तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में; तथा 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान ओडिशा में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की बहुत अधिक संभावना है।
- ❖ 27 अप्रैल को हरियाणा-चंडीगढ़, पूर्वी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; तथा 27 और 28 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में रातें गर्म रहने की बहुत अधिक संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 27 अप्रैल से 02 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: ओडिशा, पश्चिम बंगाल के तटों और उससे सटे बांग्लादेश के तटों के पास और दूर; उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के सटे हुए हिस्सों में, 27 अप्रैल से 02 मई 2026 के दौरान।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 27 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

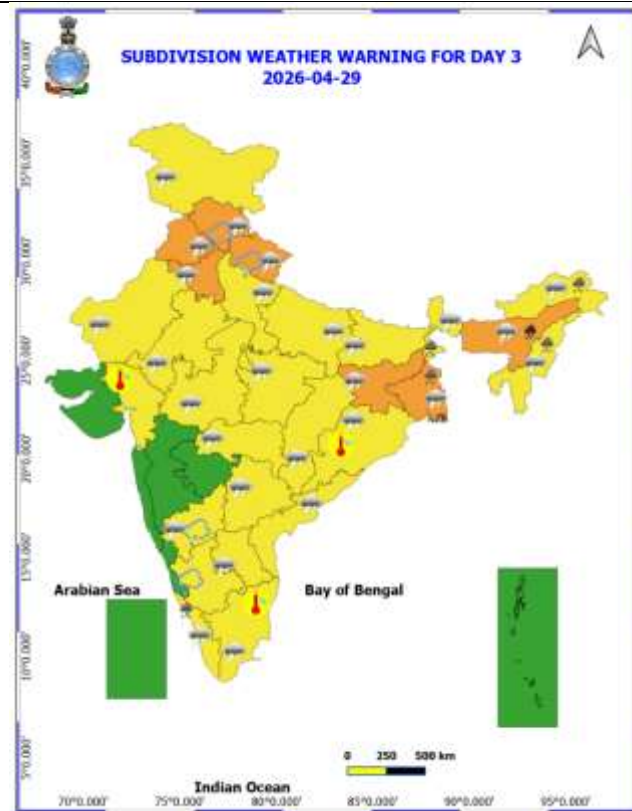
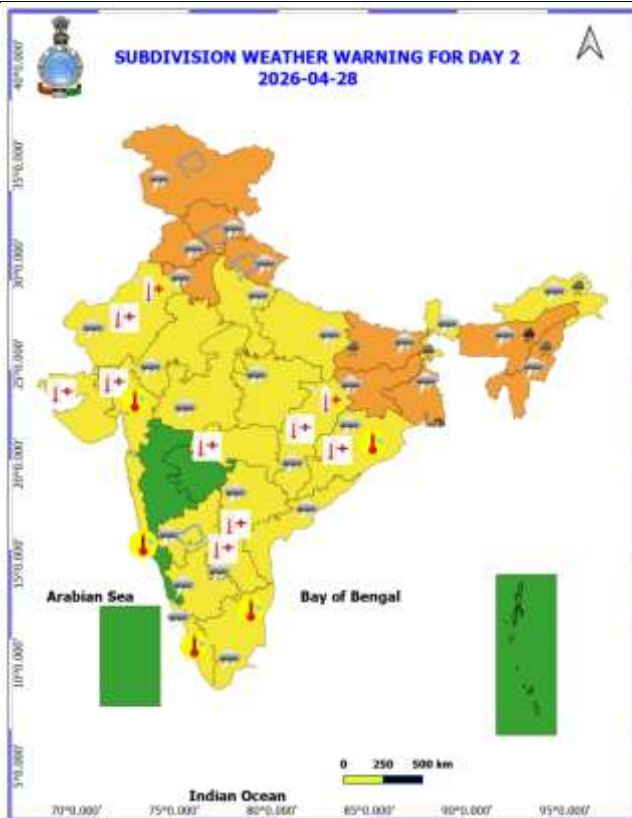
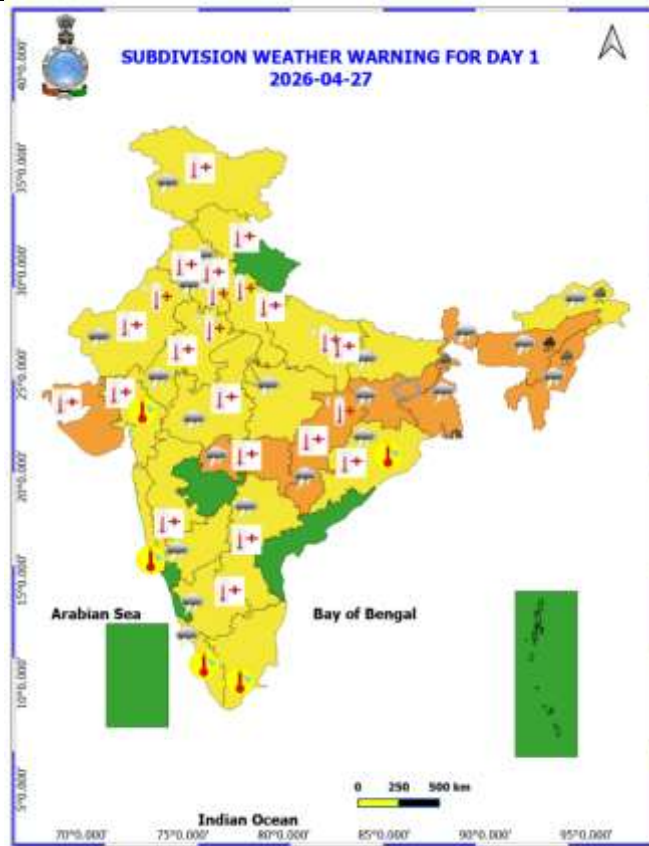
- ❖ त्रिपुरा: सिपाहीजाला (जिला सिपाहीजाला) 13, बगफा (जिला दक्षिणी त्रिपुरा) 10, अमरपुर (जिला गोमती) 9, सोनामुरा (जिला सिपाहीजाला) 8, उदयपुर (जिला गोमती) 7, बेलोनिया (जिला दक्षिणी त्रिपुरा) 7, सेरचिप_ एडब्ल्यूएस (जिला सेरछिप) 7, केवीके साउथ (जिला दक्षिणी त्रिपुरा) 7;
- ❖ मेघालय: नोंगस्टीन (जिला पश्चिमी खासी हिल्स) 9

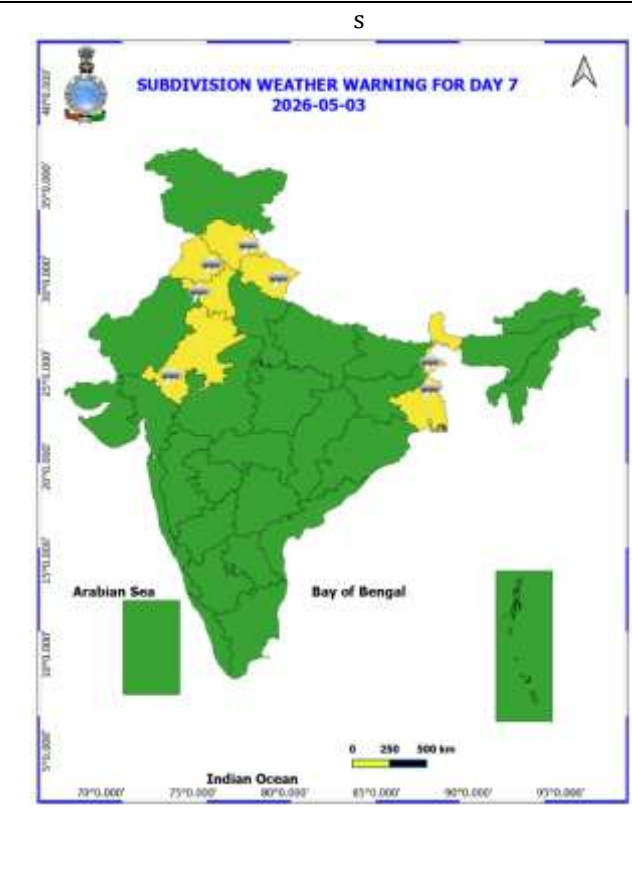
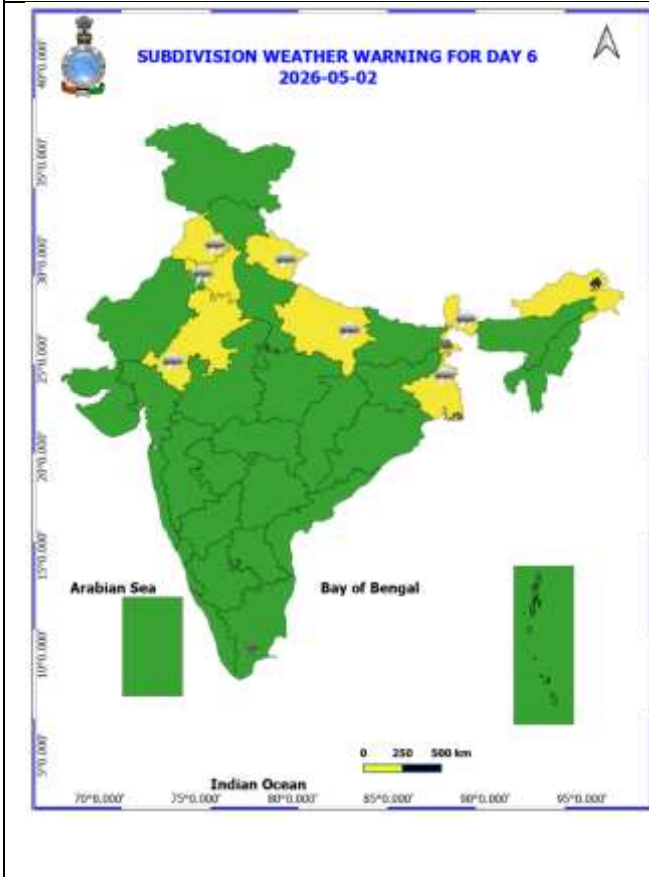
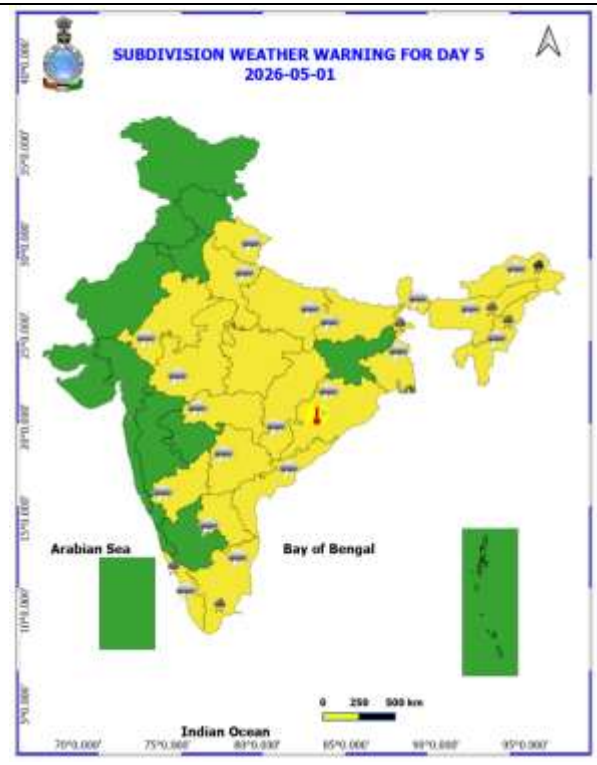
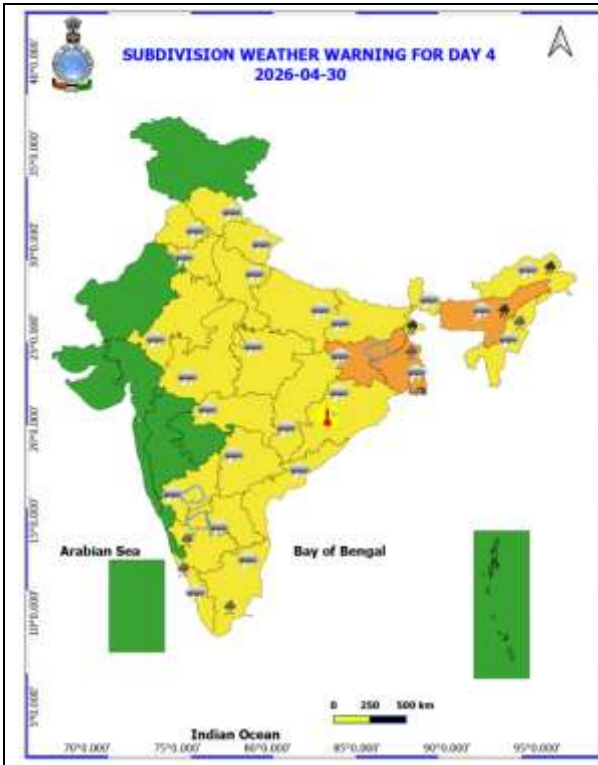
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: तेलियामुरा 113, आइजोल 76
- ❖ असम और मेघालय: अम्पाती (स्वघ) 72, करीमगंज 63
- ❖ ओडिशा: मयूरभंज 59
- ❖ झारखंड: सरायकेला 52
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: बालुरघाट 50
- ❖ बिहार: सुपौल 48
- ❖ उत्तराखंड: पंतनगर_एएमएफ्यू 46, मुक्तेश्वर 44,
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जी.बी. नगर (एडब्ल्यूएस) 46, झाँसी (एडब्ल्यूएस) 43, आगरा (आईएफ) 39, बरेली (आईएफ) 37, हिंडन (आईएफ) और नोएडा 33 (प्रत्येक)
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एडब्ल्यूएस) 43, लखनऊ (एपी) और प्रयागराज (आईएफ) 41 प्रत्येक, मिर्जापुर (एडब्ल्यूएस) 39, गोरखपुर (आईएफ) 30
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: इंदौर 46
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 44
- ❖ विदर्भ: बुलढाणा 31
- ❖ छत्तीसगढ़: बेमेतरा 43
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत (रायगढ़) 39, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 30
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: कलवान (नासिक) 52, विल्होली (नासिक) 33
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेज (अहमदाबाद) 48
- ❖ सौराष्ट्र एवं कच्छ: भचाऊ (कच्छ) 52

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Apr	28- Apr	29- Apr	30- Apr	1- May	2- May	3- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42-43°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24-26°C की सीमा में रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) है। दिल्ली के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और शेष हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से 36 kmph तक के झोंकों के साथ चली। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 15 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

27.04.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति बन सकती है। दोपहर/शाम के समय गरज-चमक के साथ मौसम बदलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर हवा की गति लगातार 15-25 kmph रहेगी, जो कभी-कभी 35 kmph तक के झोंकों के साथ चलेगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान सतह पर हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

28.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा, जो दोपहर के समय आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दोपहर/शाम के दौरान गरज/बिजली कड़कने और सतह पर तेज़ हवाओं (30-40 kmph की गति, जो 50 kmph तक के झोंकों के साथ चल सकती है) के साथ बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी का एक दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह की हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतह की हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

29.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर आम तौर पर बादलों से घिरा रहेगा। दिन के दौरान गरज/बिजली कड़कने और तेज़ सतही हवाओं (जिनकी गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 50 kmph तक जा सकती है) के साथ बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी के एक या दो दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 14 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह की हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतह की हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 kmph से कम रहेगी।

30.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर आम तौर पर बादलों से घिरा रहेगा। शाम के समय गरज के साथ मौसम बदलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और

दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से आते हुए 10 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति फिर से बढ़ जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से आते हुए 20 kmph से कम हो जाएगी।

लू (Heat wave) की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू की स्थिति की संभावना है; हालाँकि, तापमान सामान्य से ज़्यादा रहने की संभावना है। स्वास्थ्य को मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, खासकर कमज़ोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए।
- सलाह: लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से बचें। हल्के वज़न वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफ़ान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 kmph, झोंकों में 50 kmph तक) के साथ आंधी-तूफ़ान आने की संभावना है, साथ ही धूल भरी सतही हवाएँ भी चल सकती हैं।
- प्रभाव: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं, पेड़ उखड़ सकते हैं, फसलों को नुकसान पहुँच सकता है, बिजली और संचार लाइनें बाधित हो सकती हैं, और कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है।

छिटपुट तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 तारीख को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 और 28 अप्रैल को; पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 28 और 29 अप्रैल को; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में 27 से 30 तारीख के दौरान; बिहार में 28 अप्रैल को; और छत्तीसगढ़ में 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान गरज के साथ तेज़ हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, और झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ झारखंड में 27 और 30 अप्रैल को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 28 से 30 अप्रैल के दौरान; जम्मू-कश्मीर में 28 अप्रैल को; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 28 और 29 अप्रैल को; और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 29 और 30 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।

- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा/भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 27-30 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में, 30 अप्रैल-02 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, और 30 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 अप्रैल-02 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में; 27 अप्रैल-01 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 28 अप्रैल को बिहार में; 29 और 30 अप्रैल को गंगा से सटे पश्चिम बंगाल में; 30 अप्रैल को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 30 अप्रैल-02 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; तथा 29 अप्रैल-01 मई के दौरान केरल और माहे में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ऊष्ण लहर के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 27 और 28 अप्रैल को विदर्भ के कुछ स्थानों पर; 27 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में; तथा 27 और 28 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान, ओडिशा, गुजरात राज्य, रायलसीमा, छत्तीसगढ़ और उत्तरी तेलंगाना में लू चलने की प्रबल संभावना है।

अलर्ट क्षेत्र:

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में, फलों के बागों और सब्जियों के पौधों को यांत्रिक क्षति से बचाने के लिए ओला-रोधी जाल (hail nets) या ओला-रोधी टोपी (hail caps) का उपयोग करें।
- ❖ जलभराव को रोकने के लिए खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पके हुए फलों की तुड़ाई जल्द से जल्द कर लें। काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, काटी गई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें। धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों वाले खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ असम में, फसल के खेतों में पानी जमा होने से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। पकी हुई फसलों की तत्काल कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखे, ढके हुए गोदाम में पहुँचा दें। संवेदनशील नर्सरी-क्यारियों को ढकने के लिए प्लास्टिक शीट या अस्थायी जालों का उपयोग करें।
- ❖ मेघालय - गाजर, भिंडी और फ्रेंच बीन्स की बुवाई टाल दें। मक्का, अदरक और टमाटर के खेतों में पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (staking) से बांधें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, खरीफ-पूर्व धान की शुरुआती वानस्पतिक अवस्था के दौरान खेतों में 5-8 सेमी पानी का स्तर बनाए रखें; फसल के खेतों में बारिश का पानी लंबे समय तक जमा न होने दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, जलभराव को रोकने के लिए खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें, विशेष रूप से अदरक, टमाटर और 'डाले खोरसानी' (मिर्च) के खेतों में। कद्दू-वर्गीय सब्जियों और 'डाले खोरसानी' की नर्सरियों को पॉलीथीन शीट या 'एग्रो-नेट' से ढककर सुरक्षित रखें, ताकि छोटे पौधों को नुकसान न पहुँचे। इसके अतिरिक्त, अदरक के खेतों में बारिश के सीधे असर को कम करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिंग सामग्री का उपयोग करें।
- ❖ बिहार में, खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई (intercultural operations) और पादप-सुरक्षा उपायों व उर्वरकों के प्रयोग को टाल दें। जलभराव से बचने के लिए खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करें।
- ❖ केरल में, जलभराव से बचने के लिए खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करें; काटी गई 'पुंचा' धान की उपज को किसी सूखे, ढके हुए गोदाम में पहुँचा दें; और केले के रोपण को टाल दें।

उच्च तापमान/लू के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- ❖ महाराष्ट्र - मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ क्षेत्र - गर्मियों में उगाई जाने वाली मूंग, मूँगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसलों, बागों और सब्जियों में, दिन के ठंडे समय (सुबह या शाम) में आवश्यकतानुसार हल्की और बार-बार सिंचाई करें। सब्जियों और बागवानी फसलों में वाष्पीकरण कम करने के लिए पुआल की मल्ल (straw mulch) का इस्तेमाल करें, और नई लगाई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- ❖ गुजरात - सौराष्ट्र और कच्छ: ग्वार फली, खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी खड़ी फसलों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मूँगफली में फूल आने और पेगिंग (जड़ें जमने) के समय सिंचाई करें।
- ❖ मध्य प्रदेश - मक्का, मूंग, उड़द, मूँगफली और सब्जी वाली फसलों में ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उन्हें सुरक्षित रूप से भंडारित करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश - गेहूं, सरसों, बागवानी और सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पत्तागोभी और फूलगोभी, फ्रेंच बीन्स, खीरा, करेला, लौकी आदि में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करें।
- ❖ हरियाणा - गर्मी वाली मूंग, कपास, सब्जियों, आम, अमरूद और लोकाट जैसी खड़ी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश - हाइब्रिड मक्का, जायद उड़द, मूंग, सब्जियों और गन्ने जैसी खड़ी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।

- ❖ राजस्थान - ज़ायद मूंग, अमेरिकन कपास और देसी कपास, भिंडी, तरबूज, खरबूजा, टिंडा, खीरा और ककड़ी जैसी खड़ी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ जम्मू और कश्मीर - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें; फलों के पौधों को ज़्यादा तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का इस्तेमाल करें।
- ❖ ओडिशा - बोरो धान, गर्मी वाली मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई करें। आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, यह सुनिश्चित करें।
- ❖ तमिलनाडु - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। फलों के पौधों को ज़्यादा तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का इस्तेमाल करें।
- ❖ आंध्र प्रदेश - रायलसीमा - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियों और फलों के बागानों जैसी खड़ी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ तेलंगाना - आम के बागानों और सब्जी वाली फसलों में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करें। □ खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथिन से मल्टिचिंग करें।
- ❖ आंधी/तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह
- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में फसल को तिरपाल की चादरों से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और उन्हें ढक दें, ताकि ज़मीन पर चलने वाली तेज़ हवाओं के कारण उनके अपनी जगह से हट जाने का जोखिम कम हो सके।
- ❖ बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

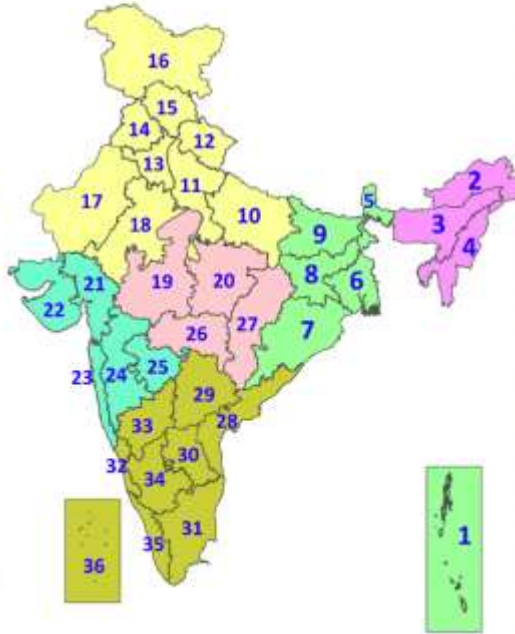
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)